14 बैंक और साधारण ब्याज

BRC327

थोड़ा याद करो

ऊपर दिए गए चित्र में क्या दिखाया गया है ? इस कार्यालय में कौन-से काम किए जाते हैं ? इसकी जानकारी प्राप्त करो । अपने प्रेक्षणों को लिखो ।

आओ समझें

बैंक

बैंक वास्तव में पैसों के लेन-देन का व्यवहार करने वाली सरकारमान्य संस्था होती है । यह **'वित्तीय संस्था'** हैं । (वित्त का अर्थ पैसा) ।

हम जो पैसे कमाते हैं, उसे हमें ध्यानपूर्वक खर्च करना चाहिए । भविष्य की आवश्यकताओं के लिए हम पैसे की बचत करते हैं । यही बचत शिक्षा, मकान के निर्माण, चिकित्सा खर्च, व्यापार-व्यवसाय, खेती में सुधार के कार्य के लिए किए जाते हैं । नियमित रूप में की गई छोटी बचत आगे चलकर बड़ी रकम बन जाती है और वह भविष्य के लिए उपयोगी सिद्ध होती है । बैंक में जमा की गई रकम सुरक्षित रहती है और समय बीतने पर उसमें बढ़ोत्तरी भी होती है ।

आर्थिक व्यवहार

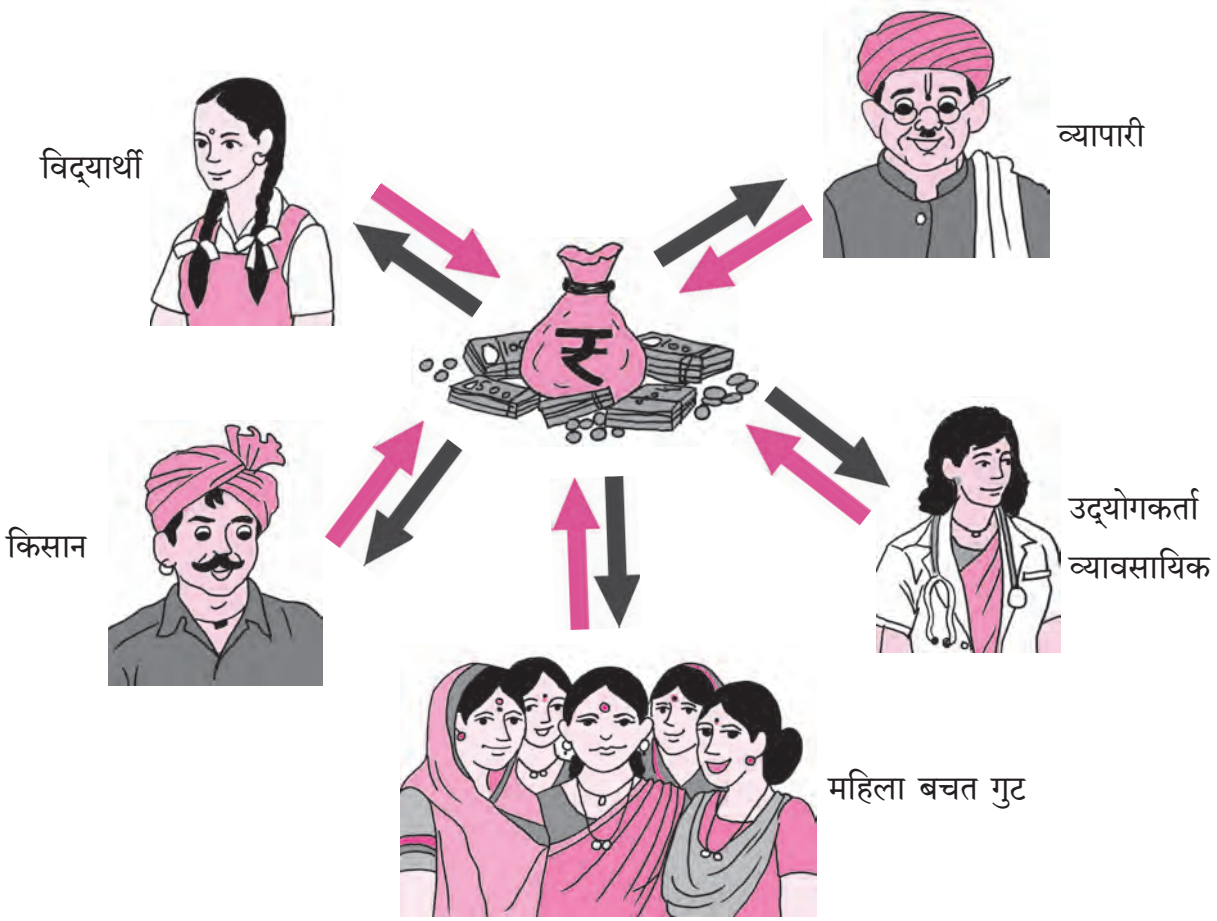

- ऊपर दिए गए चित्रों के आधार पर कौन-कौन-से व्यक्ति बैंक से लेन-देन करते हुए दिखाए गए हैं ?
- ठीक बीच में दी गई थैली के चित्र के ऊपर बना हुआ चिह्न किसका है ?
- इन चित्रों में विपरीत दिशाएँ दिखाने वाले तीरों द्वारा क्या ज्ञात होता है ?

उपक्रम

- शिक्षक अपने विद्यार्थियों को अपने आसपास की बैंक में ले जाएँ । बैंकसंबंधी प्रारंभिक जानकारी प्राप्त करने के लिए विद्यार्थियों को प्रेरित करें । विभिन्न प्रकार के फॉर्म तथा स्लिप भरने में उनकी सहायता करें ।
- यदि आसपास कोई बैंक न हो, तो शिक्षक उपर्युक्त फॉर्म तथा स्लिपों के नमूने प्राप्त करके उनसे भरवाएँ ।
- विद्यालय में बैंक से मिलता-जुलता नमूना बनाकर बैंक के व्यवहारों का प्रायोगिक प्रदर्शन करें ।
- बैंक में काम करने वाले किसी अभिभावक अथवा किसी सहकारी बैंक के कर्मचारी की सहायता से बैंक के कामकाज की विस्तृत जानकारी करवाएँ ।

आओ समझें

बैंक के खाते

बैंक का व्यवहार करने के लिए, उसमें बचत खाता खोलना पड़ता है । नया खाता खोलते समय हमें निम्नलिखित कागजपत्रों की आवश्यकता होती है ।

(1) पते से संबंधित प्रमाणपत्र : राशनकार्ड, बिजली का बिल, टेलीफोन बिल, निवासी प्रमाणपत्र, पहचान पत्र इत्यादि ।

(2) पहचान का प्रमाणपत्र : आधार कार्ड, मतदान पहचान पत्र, पैन कार्ड, पासपोर्ट अथवा बैंक की सूचना के अनुसार अपेक्षित प्रमाणपत्र, किसी अन्य खातेदार का संदर्भ ।

बचत खाता खोलने का उद्देश्य है कि सभी लोगों में बचत करने की आदत पड़े । खातेदार इस खाते में पैसा जमा कर सकते हैं । आवश्यकता के अनुसार खाते में से महीने में एक निश्चित बार तक रकम निकाल भी सकते हैं ।

बचत खाते में जमा की गई रकम पर बैंक द्वारा 4% से 6% तक ब्याज देती है । बचत खाते द्वारा लेन-देन करने के लिए बैंक खातेदार को पासबुक, चेकबुक, एटीम (ATM) कार्ड, मोबाइल बैंकिंग, एस.एम.एस. बैंकिंग तथा इंटरनेट बैंकिक जैसी सुविधाएँ प्रदान करती है ।

बैंक में पैसे जमा करने के लिए तथा पैसे निकालने के लिए विशिष्ट नमूनेवाले छपे हुए फार्म भरने पड़ते हैं । प्रत्येक बैंक का नमूना प्राय: अलग-अलग होता है, परंतु उनमें भरी गई सभी जानकारियाँ समान ही होती हैं ।

ब्याज की गणना

खातेदार द्वारा बैंक में पैसे जमा करने के बदले बैंक द्वारा खातेदार को कुछ रकम दी जाती है । इसी प्रकार कर्जदार द्वारा बैंक के पैसे का उपयोग करने के बदले, बैंक खातेदार से पैसे लेती है । इस प्रकार बैंक द्वारा दी गई अथवा ली गई रकम को '**ब्याज**' कहते हैं । बैंक में जमा रकम या बैंक द्वारा कर्ज के रूप में दी गई रकम को 'मूलधन' कहते हैं । जमा की गई रकम या कर्ज के रूप में ली गई रकम पर ब्याज की गणना की जाती है । ब्याज की दर की गणना 100 रुपये पर किया जाता है । ब्याज की दर कितने समय के लिए है, इसे बताया जाता है । यह प्राय: 100 रुपये मूलधन पर प्रत्येक वर्ष के ब्याज के आधार पर निर्धारित की जाती है । इसे 'प्रतिशत प्रति वर्ष' में बताया जाता है, जिसे संक्षेप में प्र.श.प्र.व. लिखते हैं । इसे ब्याज की दर कहते हैं । मूलधन का जितने समय तक उपयोग करते है उसे '**समय**' कहते हैं ।

साधारण ब्याज

इस कक्षा में हम केवल एक वर्ष में मिलने वाले ब्याज पर ही विचार करेंगे । यह साधारण ब्याज होता है । अधिक समय के ब्याज की गणना प्राय: अधिक जटिलता वाला होता है । वह साधारण ब्याज से अलग होता है ।

इसके अतिरिक्त बैंक में एक अन्य प्रकार का भी खाता खोला जाता है, जिसे '**चालू खाता**' कहते हैं । इस खाते में कितनी भी बार रकम जमा कर सकते हैं तथा निकाल सकते हैं । इस खाते में जमा रकम पर ब्याज नहीं मिलता ।

अधिक ब्याज प्राप्त करने के लिए बैंक में अधिक समय के लिए भी खाता खोल सकते हैं। ऐसे खाते को 'स्थाई जमा खाता' (FD - Fixed Deposit), कहते हैं । बैकों द्वारा आवर्ती जमा (R.D. - Recurring Deposit) की सुविधा दी जाती है ।

उदा 1. विजया ने 7 प्र. श. प्र. व. ब्याज की दर से किसी बैंक में 1 वर्ष के लिए कुल 15000 रुपये जमा किए । वर्ष के अंत में ब्याज के रूप में कितने रुपये मिलेंगे ?

इस प्रश्न में मूलधन 15000 रुपये, समय 1 वर्ष और ब्याज की दर 7 प्र. श. प्र. व. है ।

मूलधन बढ़ने पर, मूलधन के अनुपात में ही ब्याज भी बढ़ता है ।

मानो कि 15000 रुपये मूलधन पर x रुपये ब्याज मिलता है ।

प्रश्न में दिया गया है कि 100 रुपये मूलधन पर प्रति वर्ष 7 रुपये ब्याज है ।

ब्याज तथा मूलधन के अनुपातों की समानता के आधार पर दो अनुपात ज्ञात करेंगे । उन्हें समीकरण के स्वरूप में लिखकर प्रश्न हल करेंगे ।

$$\frac{x}{15000} = \frac{7}{100}$$

$$\frac{x}{15000} \times 15000 = \frac{7}{100} \times 15000 \quad \text{...(दोनों पक्षों में 15000 से गुणा किया)}$$

$$x = 1050$$

विजया को ब्याज के रूप में 1050 रुपये मिलेंगे ।

उदा 2. विशाल ने अपने कुएँ पर बिजली का पंप लगवाने के लिए 8 प्र. श. प्र. व. की दर से 20000 रुपये कर्ज लिया । वर्ष के अंत में वह कुल कितनी रकम बैंक को देगा ?

प्रश्नानुसार, मूलधन 20000 रुपये, समय 1 वर्ष और ब्याज की दर 8 प्र. श. प्र. व. है । अत: 100 रुपये मूलधन के लिए 1 वर्ष का ब्याज 8 रुपये है ।

मूलधनों के अनुपात में ही ब्याज में वृद्धि होती है और ब्याज तथा संगत मूलधन का अनुपात सदैव समान होता है । इस आधार पर समीकरण प्राप्त करके उसे हल करेंगे ।

मानो कि 20000 रुपये का 1 वर्ष का ब्याज x रुपये है ।

और 100 रुपये का 1 वर्ष का ब्याज 8 रुपये है

$$\frac{x}{20000} = \frac{8}{100}$$

$$\frac{x}{20000} \times 20000 = \frac{8}{100} \times 20000 \quad \text{...(दोनों पक्षों में 20000 से गुणा करने पर)}$$

$$x = 1600$$

बैंक को वापस दी गई रकम = मूलधन + ब्याज = 20000 + 1600 = ₹ 21600

प्रश्नसंग्रह 35

(1) 10 प्र.श.प्र.व. की दर से 6000 रुपयों का एक वर्ष का साधारण ब्याज कितना होगा ?

(2) महेश ने किसी बैंक में 6 प्र. श. प्र. व. की दर से 1 वर्ष के लिए 8650 रुपये जमा किए । एक वर्ष बाद उसे कुल कितने रुपये मिलेंगे ?

(3) अहमद जी ने बैंक से 25000 रुपये कर्ज लिए । यदि ब्याज की दर 12% प्र. श. प्र. व. हो, तो एक वर्ष के बाद उनके द्‌वारा बैंक को कुल कितने रुपये दिए जाएँगे ?

(4) किशन जी ने एक पोखर बनवाने के लिए 6 प्र. श. प्र. व. की दर से एक वर्ष के लिए 35250 रुपये कर्ज लिए । एक वर्ष के बाद बैंक को ब्याज के रूप में कितने रुपये देंगे ?